... होना चाहिए।

अभिजन सिद्धांत

सी. राइट मिल्स जिस विश्लेषण एवं चर्चा के कारण सबसे अधिक प्रसिद्ध हुए वह अभिजन का सिद्धांत है। वास्तव में यह शक्ति विमर्श है एवं इस संदर्भ में यह विमर्श अमेरिकी शक्ति के वितरण एवं प्रयोग की चर्चा है। अभिजन की धारणा इटली के विद्वान गैटेनो मोज्का ने दी थी। विल्फ्रेडो पैरेटो ने इस धारणा एवं सिद्धांत का प्रयोग इटली के शासकों का विश्लेषण करने में किया। संयुक्त राज्य अमेरिका में अमेरिकी शासकों का विश्लेषण करने के लिए फ्लायड हंटर ने 1953 में एक नगर का विश्लेषण करके *कम्युनिटी पावर स्ट्रक्चर* नामक पुस्तक लिखी एवं यह सिद्ध किया कि उस नगर में बारह सबसे बड़े व्यापारियों के अभिजन समूह में ही समस्त सत्ता है। हंटर ने अप्रत्यक्ष रूप से यह कहा कि संपूर्ण अमेरिकी राज्य व्यवस्था में एक छोटे से अभिजन समूह का शासन है।

सी. राइट मिल्स ने 1901 से 1950 की अवधि में संयुक्त राज्य अमेरिका में किन का शासन रहा है, इसका विश्लेषण किया। मिल्स ने यह नहीं कहा कि अमेरिकी समाज में अथवा किसी भी समाज में अभिजन का शासन अपरिहार्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका में यह एक हाल की घटना है। पैरेटो ने कहा कि चाहे जैसा भी समाज हो एक छोटे से अभिजन समूह का

Scanned with CamScanner

शासन अपरिहार्य है। मिल्स के अनुसार अभिजन का शासन जनता के शोषण पर आधारित है। उनकी दृष्टि अभिजन सिद्धांत की संघर्षवादी दृष्टि है। अभिजन के हित एवं आम जनता के हित अलग-अलग होते हैं। इसलिए संघर्ष का होना अनिवार्य है। अभिजन संसाधनों, उपायों और हथियारों से जनता पर अपना शासन स्थापित करता है।

शक्ति अभिजन power elite

मिल्स ने अभिजन के शासन की व्याख्या संस्थात्मक आधार पर की। उन्होंने पैरेटो की इस बात को खारिज कर दिया कि अभिजन में विशेष मनोवैज्ञानिक अथवा श्रेष्ठ गुण होते हैं जिसके कारण वह आम जनता पर शासन करता है। मिल्स ने कहा कि सही बात यह है कि संस्थाओं की बनावट ही ऐसी है कि जो लोग शीर्ष पर होते हैं अर्थात् संस्थात्मक श्रेणीक्रम के उच्च शिखर पर होते हैं या समादेशी पदों पर (command posts) पर होते हैं वे ही शक्ति पर एकाधिकार कर लेते हैं। समाज में कुछ संस्थाएँ सबसे महत्त्वपूर्ण स्थानों को नियंत्रित करती हैं ऐसे लोग जो उन समादेशी पदों अथवा कमांड पोस्ट पर होते हैं। वे ही शक्ति अभिजन (power elite) होते हैं।

मिल्स ने तीन केंद्रीय संस्थाओं को सबसे महत्त्वपूर्ण कहा। प्रथम वे औद्योगिक निगम एवं बड़ी-बड़ी कंपनियाँ हैं जो आर्थिक संसाधनों का नियंत्रण करती हैं एवं जिनके पास सबसे अधिक धन है। दूसरी सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था सेना है एवं संघीय सरकार तीसरी सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है। मिल्स ने कहा कि औद्योगिक निगमों का नियंत्रण एवं उनमें नियंत्रणकारी भूमिका ही अभिजन के निर्माण में सबसे प्रभावी है। इन तीन संस्थाओं में जो शीर्ष के पदों पर काबिज होते हैं वे तीन अलग-अलग अभिजन का निर्माण करते हैं। वास्तव में अभिजन की गतिविधियाँ और हित एक ही जैसे होते हैं। ये एक साथ जुड़े होते हैं। इसलिए ये तीन अलग-अलग अभिजन अलग नहीं हैं। ये तीनों एकसाथ मिलकर शासन के सूत्रधार होते हैं जिन्हें मिल्स ने शक्ति अभिजन अथवा पावर एलिट कहा है।

शक्ति अभिजन में आर्थिक, राजनैतिक और सैनिक शक्ति का संयोग होता है। अमेरिकी पूँजीवाद वास्तव में सैनिक पूँजीवाद है। सेना के अस्त्र-शस्त्र का निर्माण होने से आर्थिक और सैनिक अभिजन के हित पूरे होते हैं। वर्तमान संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योग एवं सरकार को दो अलग-अलग क्षेत्र नहीं माना जा सकता है क्योंकि राजनैतिक नेता आर्थिक अभिजन के लेफ्टिनेंट होते हैं। बहुधा राजनैतिक नेता भी उद्योगपति होते हैं। राजनैतिक नेतृत्व के निर्णय बराबर ही बड़े-बड़े औद्योगिक निगमों के हितों को पूरा करने के लिए ही लिए जाते हैं। वर्तमान संयुक्त राज्य अमेरिका में शक्ति अभिजन आर्थिक, सैनिक एवं राजनैतिक अभिजन का एक एकीकृत गठजोड़ है जो अमेरिकी समाज एवं विश्व के संबंध में निर्णय लेता है।

अभिजन की एकता elite unity

मिल्स के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका में आज जो स्थिति है ऐसा अमेरिकी समाज के इतिहास में बराबर नहीं था। अमेरिका में संस्थाओं के परिवर्तन और पुनर्संगठन के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। 19वीं शताब्दी में अमेरिका में आर्थिक शक्ति हजारों छोटे-छोटे व्यापारियों

Scanned with CamScanner

एवं उद्योगपतियों में विभाजित थी। 1950 आते आते यह समस्त आर्थिक शक्ति कुछ सौ विराट औद्योगिक निगमों में केंद्रित हो गई जो एक साथ मिलकर आर्थिक शक्ति को नियंत्रित करते हैं। इसी प्रकार पहले राजनैतिक शक्ति भी बँटी हुई थी। अलग स्थानीय और नगरीय क्षेत्र शक्तिशाली थे। संघीय सरकार की तुलना में राज्यों की विधायिकाओं की अधिक शक्ति थी। बाद के दिनों में संघीय सरकार ने राज्यों की स्वायत्तता को समाप्त कर दिया। राजनैतिक शक्ति का केंद्रीकरण हो गया। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के खतरों ने एवं दूसरे देशों की प्राकृतिक संपदा पर नियंत्रण के उद्देश्य ने सेना के महत्त्व, सेना की मारक क्षमता एवं सेना की शक्ति में खूब वृद्धि की। स्थानीय राज्य नियंत्रित मिलिशिया के स्थान पर केंद्र द्वारा निर्देशित सैनिक संगठन विकसित हो गया।

इन कारणों से संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्णय लेने की शक्ति का केंद्रीकरण हो गया। शक्ति अधिक-से-अधिक राजनैतिक, आर्थिक और सैनिक संस्थाओं के समादेशीय पदों पर स्थापित लोगों में केंद्रित हो गई। शक्ति अभिजन की एकता सामाजिक पृष्ठभूमि की समानता के कारण बढ़ जाती है। ये लोग एक संस्था से दूसरी संस्था में आते-जाते रहते हैं। इनमें रोटी-बेटी के संबंध हैं। शक्ति अभिजन के सभी सदस्य अधिकतर अमेरिकी समाज के उच्च वर्ग से संबद्ध हैं। ये प्रोटेस्टेंट धर्म को मानते हैं। ये अमेरिका में पैदा हुए हैं। ये संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी इलाकों के नगरों से जुड़े हैं। इस सिलसिले में मिल्स ने अंग्रेजी के चार अक्षरों को जोड़कर अमेरिकी शक्ति अभिजन की उत्पत्ति और उसकी जड़ों को स्पष्ट किया है। अंग्रेजी के ये अक्षर हैं डब्लू, ए, एस और पी (WASP)। इनका अर्थ ह्वाइट यानी गोरे, एंग्लो सेक्शन यानी इंग्लैंड से आए हुए एवं प्रोटेस्टेंट यानी ईसाई धर्म के प्रोटेस्टेंट डीनोमिनेशन को मानने वाले है। पचास के दशक के बाद से अमेरिकी शासक वर्ग अथवा शक्ति अभिजन के संबंध में यह शब्दावली काफी लोकप्रिय हो गई है। मार्क्सवादी विद्वानों से यह अधिक प्रभावी एवं सही मूल्यांकन है।

मिल्स ने संभवत: पहली बार यह प्रदर्शित कर दिया कि अमेरिकी लोकतंत्र एक खोखला तंत्र है जिसमें यह शक्ति अभिजन, जन समर्थन के प्रबंधन के आधार पर शासन करता है। शक्ति अभिजन के पास अकूत धन है जिससे ये मीडिया, धर्म के पुरोहित, ट्रेड यूनियन नेता आदि को खरीद लेते हैं। लोकतंत्र के मौजूदा पश्चिमी माडल में कमजोर लोगों के या गरीब लोगों के चुने जाने की संभावना नहीं के बराबर है। शक्ति अभिजन की समानता और एकजुटता को प्रदर्शित करने के लिए मिल्स ने यह भी कहा कि ये एक ही प्रकार की शिक्षा संस्थानों में शिक्षित हुए हैं। ये एक ही क्लब के सदस्य हैं। ये क्लब अत्यधिक महंगे एवं सुविधाओं से संपन्न हैं। इनकी रुचियाँ और शौक एक जैसे हैं। यही कारण है कि इनके मूल्य और इनकी संवेदनाएँ भी एक जैसी होती हैं। इसके चलते इनमें पारस्परिक विश्वास और सहयोग का भाव विकसित होता है। ये लोग एक जैसी मानसिकता और बहुधा नीतियों को भी विकसित करते हैं।

शक्ति अभिजन के अंदर अर्थात् जो तीन प्रकार के अभिजन हैं उनमें आपस में बहुत अधिक आना-जाना होता है। औद्योगिक निगम के निदेशक राजनीतिज्ञ बन जाते हैं और इसी तरह कोई राजनैतिक नेता निदेशक बन सकता है। किसी भी समय में ऐसा संभव है कि एक ही व्यक्ति अलग-अलग क्षेत्रों की संस्थाओं में उच्च पदों पर स्थापित हो। मिल्स ने कहा कि

Scanned with CamScanner

निगमों के निदेशक मंडल में हम बहुधा इन तीनों संस्थाओं के शीर्ष व्यक्तियों को देख सकते हैं। समान सामाजिक उत्पत्ति, समान सामाजिक पृष्ठभूमि एवं एक-दूसरे समूह में आने जाने के कारण शक्ति अभिजन की एकता बढ़ जाती है।

अभिजन की प्रभुता

मिल्स ने कहा अमेरिकी समाज एक ऐसे अभिजन से शासित है जिसके पास अकूत धन है, जिसके पास अगाध शक्ति है परंतु जो बहुत गैर-जिम्मेदार है। अमेरिकी अभिजन ने अमेरिकी जनता की परवाह किए बिना द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका को सम्मिलित किया, हिरोशिमा एवं नागासाकी में आण्विक बम गिराए। ऐसे निर्णयों से पूरा समाज प्रभावित होता है। इससे पूरा विश्व प्रभावित होता है। शक्ति अभिजन न तो जनता के प्रति और न ही किसी प्रतिनिधि संस्था के प्रति जिम्मेदार होता है। शक्ति अभिजन के उदय के कारण राजनीति एक घटिया स्तर पर पहुँच गई है। इसके कारण वैकल्पिक निर्णयों के लिए सार्वजनिक बहस की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। मिल्स के अनुसार अमेरिका की दो बड़ी पार्टियों रिपब्लिकन एवं डेमोक्रेटिक में कोई वास्तविक अंतर नहीं है। इसीलिए जनता के पास कोई वास्तविक विकल्प भी नहीं है।

मिल्स की चर्चा में जनता का व्यापक हिस्सा एक निष्क्रिय जनसमूह है जिसका नियंत्रण शक्ति अभिजन करता है। यह शक्ति अभिजन तिकड़मबाजी और मनोवैज्ञानिक प्रबंधन से जनता को पंगु बना देता है। ऐसे लोग जो कमांड पदों पर नहीं होते हैं उन्हें अभिजन यह बताता है कि उन्हें क्या सोचना है, उन्हें क्या अनुभव करना है और उन्हें किस चीज की उम्मीद करनी है। यह उन्हें मीडिया के द्वारा बताया जाता है। मीडिया पूरी तरह से अभिजन के द्वारा नियंत्रित होता है। आम जनता को किसी अहम मुद्दे से कोई मतलब नहीं होता है। वह अपनी ही दुनिया जिसमें उसकी नौकरी है, उसका आराम है, उसका परिवार है, उसके पड़ोसी शामिल होते हैं। उन्हीं में लिप्त होता है। आम जनता का शक्ति अभिजन पर कोई नियंत्रण नहीं होता है, जनता के मत का अंकुश एवं मीडिया के द्वारा अभिजन की आलोचना की संभावना नहीं होती है। इसलिए शक्ति अभिजन अधिकाधिक धन एवं शक्ति प्राप्त करने में लगा होता है।

अभिजन की आत्मभर्त्ती self recruitment of elite

शक्ति अभिजन के लोग अधिक-से-अधिक अपनी संतति को शक्ति अभिजन में सम्मिलित करना चाहते हैं। उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, बड़े पदाधिकारी, बड़े सैनिक अधिकारी और उद्योगों के बड़े-बड़े निर्देशक अपने बच्चों को अभिजन में सम्मिलित करते हैं। मिल्स ने कहा कि शक्ति अभिजन तरह-तरह के तिकड़म भिड़ा कर गैर-अभिजन व्यक्तियों के लिए अभिजन समूह का दरवाजा बंद कर देते हैं। इसे ही अभिजन की आत्मभर्ती कहते हैं। यह एक ऐसी घटना है जो अध्ययनों से तत्काल स्पष्ट हो जाती है।

अभिजन के सदस्य अधिकतर सुविधासंपन्न परिवारों से आते हैं। यहाँ आम जनता के लिए कोई गुंजाइश नहीं होती है। अभिजन न केवल दूसरे लोगों के प्रवेश को रोक देता है बल्कि अभिजन के सदस्यों में एकजुटता होती है जिससे वे एकसाथ मिलकर अपने विरुद्ध उठने वाली किसी भी चुनौती का मुकाबला करते हैं। अभिजन के सदस्य बहुत थोड़े से लोग

Scanned with CamScanner

होते हैं। ये बहुत ही सूक्ष्म और व्यवस्थित रूप से अपना नियंत्रण स्थापित करते हैं।

मिल्स की राय को अनेक विद्वानों ने सही माना है। ब्रिटेन के विद्वान जान रेक्स (John Rex) ने कहा इंग्लैंड में भी ऐसी ही स्थिति है। शिक्षा के संबंध में टिप्पणी करते हुए जान रेक्स ने कहा कि व्यवस्था समर्थित शिक्षा का उपयोग एक ऐसी ही सोच को पैदा करने के लिए किया जाता है जिसका उद्देश्य है विशिष्ट पदों पर बैठे हुए लोगों की स्थिति को उचित ठहराए। टॉम लपटन (Tom Lupton) और सेरेली विल्सन (C.S. Wilson) ने निर्णय लेनेवालों की नातेदारी और वैवाहिक संबंधों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि कुछ ही लोग, जिनमें आपसी संबंध है, सत्ता पर अधिक हावी हैं। इस संदर्भ में ब्रिटेन की संसद का भी विश्लेषण किया गया। डब्लू. एल. गट्समेन (W.L. Guttsman) ने ब्रिटिश संसद सदस्यों की सामाजिक उत्पत्ति का विश्लेषण किया और इन्हें अधिकतर उच्च वर्ग से जुड़ा पाया।

सी. राइट मिल्स के अभिजन संबंधी विचारों की आलोचना भी की गई है। हैरालंबोस ने कहा कि मिल्स और उनके साथियों के द्वारा जो अध्ययन किए गए हैं उनके महत्त्व को चुनौती दी जा सकती है। मार्क्सवादियों ने कहा कि ये प्रमाण एक शासक वर्ग के हैं न कि एक शासक अभिजन के हैं। अनेक विद्वान यह भी कहते हैं कि अभिजन इस शक्ति का प्रयोग अपने हित में ही नहीं करते हैं बल्कि व्यापक समाज के हित में करते हैं।

राबर्ट ए. डाल (Robert A. Dahl) ने मिल्स की आलोचना एक बहुलवादी परिप्रेक्ष्य से की है। डाल ने कहा कि मिल्स ने केवल यह प्रदर्शित किया कि शक्ति अभिजन में शक्ति नियंत्रित करने की क्षमता है। इस क्षमता और वास्तविक नियंत्रण में बहुत अंतर होता है। डाल के अनुसार वास्तविक घटनाओं और निर्णयों के आधार पर ही कोई सही निष्कर्ष निकाला जा सकता है। डाल का बहुलवाद एंथनी गिडेन्स के अनुसार खारिज कर दिया गया है। हैरालंबोस ने कहा कि शक्ति अभिजन की आत्मनियुक्ति के अध्ययन अब पुराने पड़ गए हैं। हाल के अध्ययनों से इसे पूरी तरह साबित नहीं किया जा सकता है।

इयान बज (Ian Budge), डेविड मैके (David Mckay) और डेविड मार्श (David Marsh) ने कहा कि अभिजन समूह में एकता नहीं होती है। यह एक विभाजित समूह है। इसके अलग-अलग अंश एक-दूसरे से विवाद भी कर सकते हैं। सामान्यत: ऐसे विवाद होते भी हैं। इन विद्वानों ने मिल्स की इस बात को नहीं माना कि एक ही समूह शक्ति का नियंत्रण नहीं करता है अथवा उसका एकाधिकारी होता है। इस संदर्भ में राल्फ मिलिबैंड का नाम महत्त्वपूर्ण है। मिलिबैंड ने कहा कि समाजों में अभिजन का शासन होता है। उनका संशोधन यह है कि अभिजन सभी पूँजीपतियों के लिए कार्य करते हैं, न कि केवल अपने हितों को पूरा करने के लिए वे निर्णय लेते हैं।

बोटोमोर ने कहा कि समाजवादी सोवियत यूनियन में वास्तव में अभिजन की सत्ता थी। साम्यवादी पार्टी के माध्यम से एक छोटे समूह ने देशभर में अपनी स्थिति को मजबूत बना लिया। उन्होंने सत्ता पर कब्जा करके अपने हितों में कार्य किया। सोवियत यूनियन के समाप्त होने के बाद अभिजन का सिद्धांत अधिक लोकप्रिय हो गया। साठ और सत्तर के दशक में पिछली शताब्दी में जो अध्ययन किए गए उनसे भी यह पता लगता है कि अभिजन अथवा समाज में उद्योग, प्रशासन, राजनीति में आगे बढ़े हुए लोग, वास्तविक सत्ता का उपयोग करते हैं। इनकी कोशिश होती है कि समस्त पूँजीपति वर्ग के हितों की सुरक्षा की जाए इसके आधार

Scanned with CamScanner

पर ही इस अभिजन सिद्धांत और धारणा को न्यायोचित ठहराया जा सकता है।

अमेरिका में प्रोफेशनल श्रेणी

प्रोफेशनल श्रेणी की धारणा बहुत स्वीकृत नहीं है। इसके संबंध में संभवत: हैराल्ड विलेंस्की (Harold Wilenski) की राय सबसे स्वीकृत है। विलेंस्की ने कहा प्रोफेशनल वे हैं जो विशेष कुशलता प्राप्त होते हैं, जो उच्च मध्यवर्ग के होते हैं और जिनकी कुशलता का प्रयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है। प्रोफेशनल के बारे में मैक्स वेबर ने एक विशेष दृष्टि से चर्चा की। वेबर ने कहा प्रोफेशनल लोग मुख्य रूप से अपने हित को पूरा करने के लिए कार्य करते हैं। प्रोफेशनल श्रेणी में वकील, डॉक्टर, इंजीनियर, पत्रकार, शिक्षक आदि होते हैं। सी. राइट मिल्स ने वेबर से प्रोफेशनल श्रेणी के संबंध में दृष्टि अपनाई। इस श्रेणी में उन्होंने वकीलों के संबंध में विशेष चर्चा की।

सी. राइट मिल्स ने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में वकील सब के हित के लिए कानून के रक्षक नहीं हैं। वे अधिकाधिक औद्योगिक निगमों के सेवक बन गए हैं उनकी नियुक्ति इसलिए होती है कि वे उद्योगपतियों को यह बताएँ कि मौजूदा कानून के अंतर्गत किस प्रकार से वे अपने को बचाते हुए अधिक-से-अधिक लाभ कमा सकते हैं। वकील समझौतों को तैयार करते हैं, कर बचाने के उपाय बताते हैं, व्यापारिक अनुबंध तैयार करते हैं। इसके अतिरिक्त उद्योगपतियों के लिए बैंक, व्यापार और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में उस उद्योगपति के लिए संबंध स्थापित करते हैं। औद्योगिक निगमों की सेवा में वकीलों की बहाली इसलिए की जाती है जिससे वे घोटालों को कानूनी रूप से दुरूस्त करें और न्यायालय से बाहर ही सुलझा लें।

वकीलों में जो बड़े बुद्धिमान होते हैं उनके लिए बड़ी-बड़ी तनख्वाह वाली नौकरियाँ होती हैं। उनकी सेवा गरीबों को नहीं मिल पाती है। प्रोफेशनल श्रेणी को जो सुविधाएँ एवं पुरस्कार मिलते हैं वह उद्योगपतियों एवं शक्तिशाली लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मिलता है। बहुत ही कुशल वकील समाज के सबसे धनी उद्योगपतियों एवं व्यापारियों की सेवा करते हैं। उनको इसके लिए यथोचित पुरस्कार मिलता है।

मिल्स के अनुसार हाल के दशकों में प्रोफेशनल लोग अधिक-से-अधिक धनी एवं प्रभावशाली लोगों के गुलाम बनते जा रहे हैं। इसके साथ-ही-साथ वे अपनी स्थिति भी मजबूत बना रहे हैं। ऐसे व्यक्ति अपने प्रोफेशन के एक प्रतिनिधि सदस्य के रूप में कंपनियों के मालिक तो नहीं होते हैं परंतु कंपनी में इनकी स्थिति अच्छी होती है। मिल्स ने कहा कम से कम कुछ प्रोफेशनल लोग तो उस शक्ति अभिजन के सदस्य होते ही हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका पर राज कर रहा है। उन्होंने कहा प्रोफेशनल श्रेणी, औद्योगिक निगम के उद्योगपति, शक्तिशाली राजनीतिज्ञ और सैनिक अभिजन के बीच एक मजबूत कड़ी का कार्य करती है। मिल्स ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसी वकील को आप बहाल करते हैं जो निवेश के कार्य देखने वाले बैंकर्स की कंपनी का हो, तब आप निश्चित रूप से एक ऐसे सदस्य को बहाल कर रहे हैं जो अमेरिकी अभिजन समूह का सदस्य है।

Scanned with CamScanner